

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	भूरिश्रवा, जयद्रथ और द्रोण का अंत
शीर्षक	अर्ध सत्य
समय	दो कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	आत्म मूल्यांकन ,लेखन एवं वाचन , तार्किकता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ ,कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी सत्य, असत्य और अर्ध सत्य के बीच अंतर कर पाने की कला को सीख पाएँगे ।
- * आत्म मूल्यांकन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार कर सकेगा ।
- * विद्यार्थी वाद-विवाद के माध्यम से वाचन कौशल में निपुण हो सकेंगे ।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- *अध्यापिका द्वारा कक्षा के सभी विद्यार्थियों को पाठ पढ़ने का निर्देश दिया जाएगा ।
- *अध्यापिका विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषय पर चिंतन-मनन कर" अर्ध सत्य" शीर्षक के अंतर्गत पक्ष/विपक्ष चुनकर वाद-विवाद लिखने और कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहेंगी। विषय होगा :-
" युधिष्ठिर का अर्ध सत्य गुरु द्रोण की मृत्यु का कारण बना ,वैसे ही आज सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली झूठी खबरे हिंसा को भड़कती है। "
- *अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।
- *अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर लिखित साक्ष्य का मूल्यांकन करेंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *सभी विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा प्राप्त विषय पर चिंतन-मनन कर" अर्ध सत्य " शीर्षक के अंतर्गत पक्ष/विपक्ष चुनकर वाद-विवाद लिख कर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे। ।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।
- *अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपना लिखित साक्ष्य अध्यापिका को प्रस्तुत करेंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: भूरिश्रवा, जयद्रथ और द्रोण का अंत
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : अर्ध सत्य
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. 'भूरिश्रवा, जयद्रथ और द्रोण का अंत' पाठ पढ़ने के पश्चात् नीचे दी गई आकृति में दिए गए व्यक्तियों के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए :-



